Sahitya Akademi fest to host tribal writers, trans poets

Apart from other literary programmes, a two-day Women Tribal Writers' Meet, where 43 eminent female tribal writers and poets representing 36 tribal languages will take part, and a Transgender Poets' Meet of 15 trans poets, will be featured in the festival

New Delhi: A six-day Festival of Letters will see the first-time participation of 43 female tribal writers and 15 transgender poets. Organised by the National Academy of Letters, Sahitya Akademi, it will kick off next week in Delhi.

Scheduled to take place from January 28 to February 2, the week-long festival will have over 250 regional, national and international writers, poets, critics, and translators, Sahitya Akademi Secretary K. Sreenivasa Rao told reporters on Thursday.

Apart from other literary programmes, a two-day Women Tribal Writers' Meet, where 43 eminent female tribal writers and poets representing 36 tribal languages will take part, and a Transgender Poets' Meet of 15 trans poets, will feature in the festival.

The latter will be inaugurated by Manabi Bandopadhyay, academic and the first trans principal of Kolkata's Krishnagar Women's College.

Sahitya Akademi annual awards, announced in December 2018, will be presented to 24 winners on the festival's second day. Of these 24 winning works, seven are poetry collections, six short story collections, six novels, four works of criticism and one essay collection.

During the festival, the Bhasha Samaman awards will also be conferred on eight scholars making outstanding contributions to the field of classical and medieval literature or enrichment of unrecognised languages and oral traditions of India.

As per Sreenivasa Rao, a special Gandhi corner will mark the 150 years of Mahatma Gandhi, and will feature over 700 books written on and by the mass leader. An assorted exhibition will showcase the Akademi's previous year's activities, achievements and highlights.

The exhibition is to be inaugurated by former Rajya Sabha member and scholar Mrinal Miri.

Gandhi, who features abundantly in many cultural programmes across India, will be the focus of another event at the festival -- a three-day national seminar on Gandhi and Indian Literature. It will have over 50 Gandhian scholars speaking on various themes related to 'Bapu'.

Armoogum Parsuramen, former Minister of Education in Mauritius and a Gandhian scholar, will also feature in the seminar, Sreenivasa Rao said.

The Samvatsar lecture will be delivered by writer and former Sahitya Akademi fellow Gopi Chand Narang, who will talk about "Faiz Ahmed Faiz: Thought Structure, Evolutionary Love and Aesthetic Sensibility".

Other highlights of the festival will include a panel discussion on the present scenario of Indian playwriting, and cultural performances by classical dancer Sonal Mansingh and violinist Sunita Bhuyan.

The festival's entry is free for the public. Its schedule is available on the website of the Sahitya Akademi.

खबरों में शहर

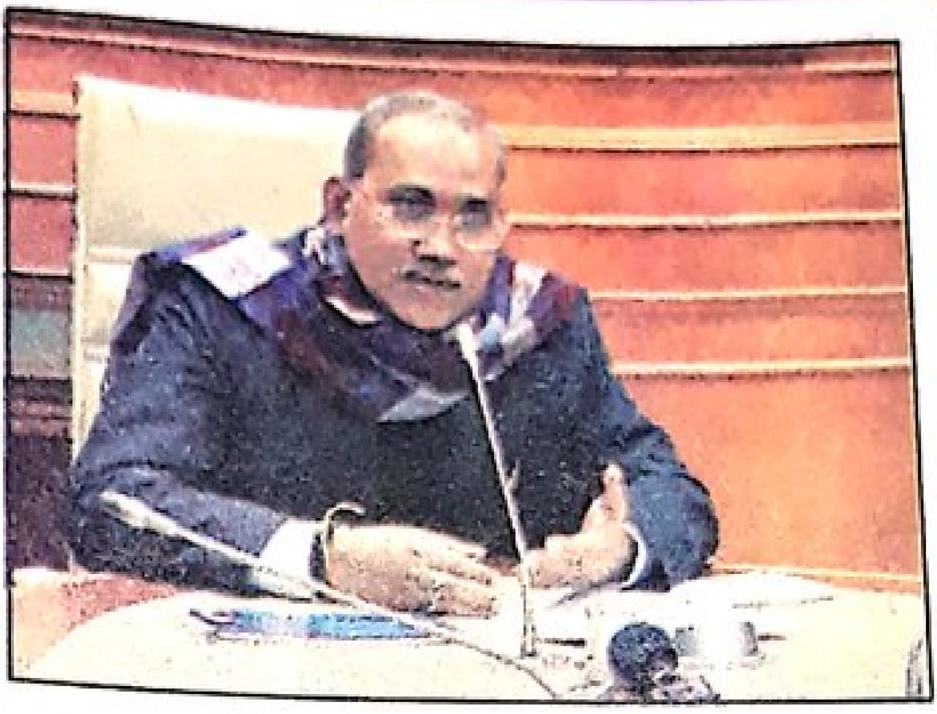

साहित्य अकादेमी का साहित्योत्सव 28 से

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 24 जनवरी।

साहित्य अकादेमी अपने वार्षिक साहित्योत्सव का आयोजन 28 जनवरी से 2 फरवरी तक करेगी। अकादेमी के सचिव के श्रीनिवासराव ने बताया कि उत्सव की शुरुआत अकादेमी की सालभर की गतिविधियों की प्रदर्शनी से होगी। रवींद्र भवन परिसर में लगने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन 28 जनवरी को पद्म भूषण सम्मान प्राप्त लेखक, दार्शनिक, शिक्षाविद् व राज्यसभा के पूर्व सांसद मृणाल मिरी करेंगे। महात्मा गांधी के 150वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में साहित्योत्सव में एक विशेष कोना बनाया जाएगा, जिसमें महात्मा गांधी द्वारा लिखित और उन पर लिखी गईं लगभग 700 पुस्तकें प्रदर्शित की जाएंगी।

28 जनवरी से 2 फरवरी तक साहित्योत्सव का आयोजन

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

हर वर्ष की तरह से बार भी साहित्य अकादेमी अपने वार्षिक साहित्योत्सव का आयोजन करने जा रही है। 28 जनवरी से 2 फरवरी के बीच इस छह दिवसीय साहित्योत्यव का आयोजन किया जाएगा। उत्सव का आरंभ अकादेमी की वर्षभर की गतिविधियों को प्रदर्शित करनेवाली प्रदर्शनी से होगा, रवींद्र भवन परिसर में जिसका उद्घाटन शिक्षाविद् और पूर्व राज्य सभा संसद मृणाल मिरी करेंगे। गुरुवार को साहित्योत्सव के बारे में अधिक जानकारी देते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव, के. श्रीनिवासराव ने बताया कि महात्मा गांधी के 150वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में साहित्योत्सव में एक विशेष कॉर्नर बनाया गया है, जिसमें महात्मा गांधी द्वारा लिखित और उन पर लिखी गई लगभग 700 पुस्तकें भी प्रदर्शित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस बार साहित्योत्सव में पहली बार दो दिवसीय आदिवासी महिला लेखिका सम्मिलन आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रख्यात हिंदी लेखिका रमणिका गुप्ता करेंगी। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों की 36 आदिवासी भाषाओं की 43 आदिवासी लेखिकाएं शिरकत करेंगी। वहीं, 29 जनवरी को 24 भारतीय भाषाओं के रचनाकारों को उनकी श्रेष्ठ कृतियों के लिए साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रख्यात ओड़िया लेखक और साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य मनोज दास समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

Rashtriya Sahara/25.1.17 P.2

साहित्य अकादमी का साहित्योत्सव 28 से

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी द्वारा 28 जनवरी से आयोजित किया जाने वाला 'साहित्योत्सव' राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर केन्द्रित होगा। इसी कारण 'भारतीय साहित्य में गांधी' विषय पर पहली बार तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा। साथ ही साहित्योत्सव में पहली बार ट्रांसजेंडर कवियों और आदिवासी महिला लेखिकाओं पर भी सम्मलेन आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी बृहस्पतिवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने दी।

उन्होंने बताया कि सोमवार से सात दिन तक चलने वाले साहित्योत्सव का उद्घाटन प्रख्यात शिक्षाविद् एवं राज्यसभा के पूर्व मनोनीत सदस्य मृणाल मिरी पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारम्भ कर करेंगे। प्रदर्शनी में अकादमी द्वारा पिछले वर्ष प्रकाशित करीब 500 पुस्तकों के अलावा पिछले एक वर्ष में आयोजित कार्यक्रमों को तस्वीरों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि साहित्योत्सव में महात्मा गांधी पर एक विशेष कॉर्नर बनाया गया है जिसमें गांधी जी पर विभिन्न भाषाओं में लिखी करीब 700 किताबें प्रदर्शित की जाएंगी। इसमें स्वंय गांधी जी द्वारा लिखित और अन्य लोगों द्वारा लिखित पुस्तकें भी शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि भारतीय साहित्य में गांधी विषय पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन अंग्रेजी के सुप्रसिद्ध कवि जयंत महापात्रा करेंगे और मॉरीशस के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं प्रसिद्ध गांधीवादी अरमुगम परसुरामन विशिष्ट अतिथि होंगे जो यूनेस्को के निदेशक भी रह चुके हैं। प्रसिद्ध इतिहासकार सुधीर चन्द्र बीज वक्तव्य देंगे।

संगोष्ठी में दस सत्रों में गांधी जी के समग्र पहलुओं पर विचार विमर्श होगा जिसमें उनकी पत्रकारिता से लेकर विश्व दृष्टि और उनका साहित्य, अर्थशास्त्र, दलित आन्दोलन आदि पर विषय पर विभिन्न विद्वान अपने-अपने विचार व्यक्त करेंगे। दो दिवसीय आदिवासी महिला लेखिका सम्मलेन में 36 भाषाओं की 43 लेखिकाएं इसमें शिरकत करेंगी। पहली बार साहित्योत्सव में ट्रांसजेंडर कवियों को शामिल किया जा रहा है, जिनमें 15 कवि होंगे और कोलकाता की एक कॉलेज के प्राचार्य मानवी बंद्योपाध्याय इसका उद्घाटन करेंगी जो खुद एक चर्चित ट्रांसजेंडर कवि है।

साहित्योत्सव में पहली बार 'ट्रांसजेंडर कवि सम्मेलन'

महात्मा गाँधी के 150वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में साहित्योत्सव में एक विशेष कॉर्नर

श्रीराव ने बताया कि 28 जनवरी को शाम में भाषा सम्मान तथा 29 जनवरी को साहित्य अकादमी पुरस्कार दिए जायेंगे। पुरस्कार समारोह के विशिष्ट अतिथि श्रीलंका के लेखक संतान अय्यातुरै होंगे जिन्हें इस बार प्रेमचंद फेलोशिप दी गयी है। इस बार संवत्सर साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष गोपी चंद नारंग 'फैज अहमद फैज' पर व्याख्यान देंगे। साहित्योत्सव में देश के कोने-कोने से विभिन्न भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 250 लेखक और विद्वान विविध कार्यक्रमों में भागीदारी करेंगे।

Email: hamarasamaj@gmail.com
Daily HAMARA SAMAJ Delhi
روزنامہ ہمارا سماج دہلی
Friday,25 January 2019
NATIONAL & LOCAL NEWS

ساہتیہ فیسٹول میں اس سال چھائے رہیں گے مہاتما گاندھی

28 جنوری تا 2 فروری 2019 کی ساہتیہ اکادمی تقریبات میں صنف ثالث کو بھی اہمیت، ایوارڈ تقسیم کی اہم تقریب کمانی آڈیٹوریم میں ہوگی

عامر سلیم خان

نئی دہلی 24 رجنوری، سماج نیوز سروس: ساہتیہ اکادمی کا سال 2019 کا سالانہ 6 روزہ فیسٹول کئی نوعیتوں سے اہم رہے گا۔ بابائے قوم مہاتما گاندھی کی 150 ویں سالگرہ کی نسبت سے اس باران پر ایسی 700 کتابوں کی نئی دہلی کے ساہتیہ اکادمی کے رابندر بھون میں نمائش لگائی جائیگی جو یا تو آنجہانی گاندھی نے خود لکھی ہیں یا دیگر ادیبوں اور رائٹرز نے ان پر تحریر کی ہیں۔ ایک اور خاص بات یہ ہے کہ اس بار فیسٹول میں انسانی پہلوؤں کے مدنظر 'صنف ثالث' کو بھی جگہ دی جارہی ہے۔ 2 فروری کو دوپہر کی شفٹ میں، صنف ثالث کوی سمیلن کے ساتھ ان پر کئی دیگر چیزیں تقریبات کا حصہ ہوں گی۔ ساہتیہ اکادمی کی اہم تقریب 'تقسیم ایوارڈ' کا پروگرام نئی دہلی کے کمانی آڈیٹوریم میں 29 جنوری کو شام 5:30 بجے شروع ہوگا جس میں دیش کی 24 زبانوں کے ادیبوں کو ایوارڈ تقسیم کیے جائیں گے۔ اردو کا ایوارڈ رحمٰن عباس کیلئے اعلان ہوا ہے جبکہ انگریزی اور کشمیری میں بھی مسلم اقلیت کے ادباء نے جگہ بنائی ہے۔

ساہتیہ اکادمی کے سکریٹری مسٹر کے سرینواس راؤ نے آج پریس کانفرنس میں بتایا کہ اس فیسٹول میں 6 دنوں تک پروگراموں میں مختلف ادبی وثقافتی پروگرام ہوں گے۔ اس میں ملک بھر سے 250 سے زائد ادبا، ناقدین اور مصنفین مدعو ہیں۔ فیسٹول کو گذشتہ کچھ برسوں سے غیر ملکی ادیبوں سے بھی جوڑا گیا ہے۔ انہوں نے بتایا اس بار ماریشش اور سری لنکا سے ادیبوں کی شرکت ہوگی۔ مہاتما گاندھی کی 150 ویں سالگرہ کے موقع سے 31 جنوری سے 'بھارتیہ ساہتیہ میں گاندھی' عنوان سے سہ روزہ قومی سیمینار کا انعقاد ہوگا جس میں گاندھی سے متعلقین کئی عناوین پر مقالے پڑھے جائینگے۔ مسٹر کے سرینواس راؤ نے بتایا کہ ساہتیہ اکادمی کی تاریخ میں پہلی بار صنف ثالث کو بھی جگہ دی جارہی ہے۔ ایک کوی سمیلن ہوگا جس میں درجن بھر سے زائد تیسری صنف کے کوی حضرات پڑھیں گے۔ انہوں نے کہا کہ ساہتیہ اکادمی نے تیسری صنف کو اہمیت دینے کا فیصلہ انسانی بنیادوں اور قانونی حقوق کے پیش نظر سے کیا ہے۔ مسٹر راؤ نے بتایا کہ 28 جنوری کو صبح 10 بجے سے اکادمی کی تقریبات کا رابندر بھون میں آغاز ہوجائے گا۔ نامور مصنف اور سابق ممبر پارلیمنٹ مرنال مری کے مبارک ہاتھوں سے تقریبات کا آغاز ہوگا۔ انہوں نے بتایا کہ مختلف بولیوں اور زبانوں کی نمائش بھی چلتی رہے گی۔ فیسٹول ایک طرح سے ادبی نمائش ہوگی اور ہم نے اب تک جو کچھ کیا ہے اس کا ایک نظری خاکہ لوگوں کے سامنے آجائے گا۔ میڈیا اور لٹریچر کے ایشو پر کہا کہ ہم نے میڈیا کو ادب سے بھی جوڑتے ہوئے پروگرام رکھا ہے کہ ادب اور میڈیا میں کیا چیزیں ہیں جو مشترک ہیں۔ انہوں نے کہا کہ موجودہ دور میں سوشل میڈیا کے بڑھتے اثر ورسوخ کے باوجود کتابوں کے شائقین کس طرح برقرار رہیں گے اور پبلشر نیز بھارتی لٹریچر کی زندگی کس طرح پروان چڑھے گی اس پر بھی باتیں ہوں گی۔

ساہتیہ اکادمی سکریٹری کے سرینواس راؤ

"6 دنوں کی تقریبات میں مختلف ادبی وثقافتی پروگرام ہوں گے، ملک بھر سے 250 سے زائد ادبا، ناقدین اور مصنفین مدعو ہیں، مہاتما گاندھی کی خصوصی نمائش اور سیمینار نیز پہلی بار ساہتیہ اکادمی میں صنف ثالث کو خصوصی جگہ دی گئی ہے"

روزنامہ سیاسی تقدیر دہلی
DAILY SIYASI TAQDEER DELHI
Friday 25 January 2019

28 جنوری تا 02 فروری ہوگا ساہتیہ فیسٹول

ملکی وغیر ملکی قلم کاروں وادیبوں کے علاوہ گزشتہ سال کے بہادر بچے بھی ہونگے شامل

عبد الرشید

نئی دہلی ، 24 جنوری (ایس ٹی بیورو) وزارت برائے ثقافت حکومت ہند کے تحت آنے والی ساہتیہ آکادمی نئی دہلی کی جانب سے 28 جنوری تا 02 فروری ساہتیہ فیسٹول کا اہتمام کیا جارہا ہے۔ساہتیہ اکادمی کے سکریٹری کے شرینواس راو نے ایک پریس کانفرس کرجانکاری دیتے ہوئے کہا کہ ہرسال کی طرح اس سال بھی ہم بہت ہی کامیابی کے ساتھ اس فیسٹول کا اہتمام کررہے ہیں ۔انہوں نے کہا کہ 28 جنوری کو سابق ممبر آف پارلیمینٹ پروفیسر مرنال میر کے ہاتھوں فیسٹول کا افتتاح کیا جائے گا۔اس موقع پر اکادمی کی جانب سے گزشتہ سال 2018 میں شائع ہونے والی تمام کتابوں کی نمائش کا بھی افتتاح کرینگے ۔انہوں نے کہا کہ بابائے قوم مہاتما گاندھی کے ایک سو پچاسوی سال گرہ کے موقع پر انکے کارناموں کو یاد کرنے کے لئے نمائش میں ایک جگہ مخصوص کی گئی ہے جس میں انکی زندگی پر لکھی قریب 700 کتابیں رکھی جائے گی ۔اسکے علاوہ الگ الگ زبانوں میں نمایاں کارگردگی کرنے والے قلم کاروں اور ادیبوں کو ساہتیہ اکادمی کی جانب سے ایواڑ سے بھی نوزا جائے گا۔انہوں نے کہا کہ اس بار آٹھ 8 لوگوں کو ساہتیہ ایواڑ سے نوازا جارہا ہے جو کہ دنیاں کے نامور قلم کار اور ادیب ہیں۔اسکے علاوہ اس فیسٹول میں پہلی بار دوروزہ آدیواسی خواتین قلم کاروں کا بھی ایک سیمنار منعقد ہوگا جس میں مختلف قسم کی 36 آدیواسی زبانوں کی 43 آدیواسی خواتین قلم کار حصہ لینگی۔اسکے علاوہ کے شرینواس راو نے کہا کہ اس بار گاندھی جی کی زندگی کے مختلف پہلو پر بھی ایک سیمنار رہوگا جس میں انکی زندگی سے واسطہ کاموں پر مقالات پڑھے جائینگے۔

2
DELHI NAMA
نئی دہلی 25 جنوری 2019 جمعہ
@sachkiawazdaily @sachkiawazdaily
سچ کی آواز
SACH ki AWAZ • सच की आवाज़
Published from New Delhi

ساہتیہ اکادمی ایوارڈ تقریب کا انعقاد 29 جنوری کو

6 روزہ 'ساہتیہ اتسو' میں مختلف پروگراموں سمیت بابائے قوم مہاتما گاندھی کے 150 ویں یوم پیدائش پر 700 کتابوں پر مبنی گاندھی گوشہ

نئی دہلی (انور حسین جعفری)

ساہتیہ اکادمی کی سالانہ 6 روزہ ساہتیہ اتسو 28 جنوری سے 2 فروری تک ہونے جا رہا ہے۔ جس میں 28 جنوری کو ساہتیہ ایوارڈ تقریب کا انعقاد ہوگا۔ جس میں سب سے اہم ساہتیہ ایوارڈ ملک کے مختلف ہندوستانی زبانوں کے 24 ادیبوں کو ان کی تصنیفات کے عیوض 29 جنوری کو شام 5 بجے کمانی آڈی ٹوریم منڈی ہاؤس میں منعقدہ تقریب میں تقسیم کئے جائیں گے۔

ساہتیہ اکادمی میں پریس میٹنگ کے دوران کی ایک تصویر۔

تقریب میں مہمان خصوصی اکادمی کے رکن منوج داس ہوں گے۔ اس موقع پر سرلنکائی ادیب اور پریم چند فیلوشپ یافتہ سانتن ایاتورے مہمان ذی وقار ہوں گے۔ اس موقع پر فیلوشپ ایوارڈ سری لنکائی اور ماریشس کے رائٹرس کو 30 جنوری کو دے جائیں گے۔

اس برس ساہتیہ اتسو میں مختلف ادبی اور ثقافتی پروگراموں کے ساتھ بابائے قوم مہاتما گاندھی کی 150 ویں یوم پیدائش کے موقع پر ساہتیہ اکادمی کی جانب سے پہلی مرتبہ 700 کتابوں پر مشتمل 'گاندھی کارنر' بنایا جائیگا۔ جس میں گاندھی جی پر لکھی مختلف رائٹرس کی کتابیں شائقین کیلئے دستیاب ہوں گی۔

ساہتیہ اکادمی کے سکریٹری کے سری نواس راؤ نے آج اکادمی میں منعقدہ پریس کانفرنس میں یہ معلومات فراہم کرتے ہوئے کہا کہ اس برس ساہتیہ اتسو میں 31 جنوری سے تین روزہ قومی مذاکرہ بعنوان ہندوستانی ادب میں گاندھی منعقد کیا جا رہا ہے۔ جس کا افتتاح انگریزی شاعر اور ادیب جینت مہاپاترا کریں گے۔ جبکہ مہمان مکرم ماریشس کے حکومت کے سابق وزیر تعلیم ارموگم پرسورامن ہوں گے۔ اس میں معروف مورخ، ادیب سدھیر چندرا اپنے خیالات کا اظہار کریں گے۔ ساتھ ہی گاندھی جی کے تعلق سے مختلف میدانوں اور موضوعات پر دانشوران اپنے خیالات کا اظہار کریں گے۔

انہوں نے بتایا کہ 30 جنوری کو رویندر بھون میں ساہتیہ اکادمی کے ممبر ڈاکٹر گوپی چند نارنگ فیض احمد فیض: تصور عشق معنی آفرینی اور جمالیاتی احساس پر خطاب کریں گے۔ وہیں اس مرتبہ ساہتیہ ایوارڈ یافتگان میڈیا سے روبرو ہوں گے۔

کے سرنواس راؤ نے بتایا کہ ساہتیہ اکادمی کے فیسٹول آف لیٹرس میں اس بار ٹرانسجینڈر کوی سمیلن بھی کرایا جائے گا۔ جس میں 14 ٹرانسجینڈر کوی اپنے کلام پیش کریں گے۔ رویندر بھون میں منعقدہ تقریب میں اکادمی کی اشاعتوں کی نمائش منعقد ہو گی جس میں 10 فیصد رعایت بھی دی جائے گی۔

28 جنوری تا 02 فروری ہوگا ساہتیہ فیسٹول۔

ملکی وغیرملکی قلم کاروں وادیبوں کے علاوہ گزشتہ سال کے بہادر بچہ بھی ہونگے شامل۔

نئی دہلی (عبدالرشید) وزارت برآئے ثقافت حکومت ہند کے تحت آنے والی ساہتیہ آکادمی نئی دہلی کی جانب سے 28 جنوری تا 02 فروری ساہتیہ فیسٹول کا اہتمام کیا جارہا ہے۔ ساہتیہ اکادمی کے سیکریٹری کے شرینواسن راو نے ایک پریس کانفرنس کر جانکاری دیتے ہوئے کہا کہ ہرسال کی طرح اس سال بھی ہم بہت ہی کامیابی کے ساتھ اس فیسٹول کا اہتمام کر رہے ہیں۔ انہوں نے کہا کہ 28 جنوری کو سابق ممبر آف پارلیمینٹ پروفیسر مرنال میر کے ہاتھوں فیسٹول کا افتتاح کیا جائے گا۔ اس موقع پر اکادمی کی جانب سے گزشتہ سال 2018 میں شائع ہونے والی تمام کتابوں کی نمائش کا بھی افتتاح کرینگے۔ انہوں نے کہا کہ بابائے قوم مہاتما گاندھی کے ایک سو پچاسوی سال گرہ کے موقع پر انکے کارناموں کو یاد کرنے کے لئے نمائش میں ایک جگہ مخصوص کی گئی ہے جس میں انکی زندگی پر لکھی قریب 700 کتابیں رکھی جائے گی۔ اسکے علاوہ الگ الگ زبانوں میں نمایاں کارکردگی کرنے والے قلم کاروں اور ادیبوں کو ساہتیہ اکادمی کی جانب سے ایوارڈ سے بھی نوزا جائے گا۔ انہوں نے کہا کہ اس بار آٹھ 8 لوگوں کو ساہتیہ ایوارڈ سے نوازا جارہا ہے جو کہ دنیاں کے نام ور قلم کار اور ادیب ہیں۔ اسکے علاوہ اس فیسٹول میں پہلی بار دوروزہ آدیواسی خواتین قلم کاروں کا بھی ایک سیمینار منعقد ہوگا جس میں مختلف قسم کی 36 آدیواسی زبانوں کی 43 آدیواسی خواتین قلم کار حصہ لینگی۔ اسکے علاوہ کے شرینواسن راو نے کہا کہ اس بار گاندھی جی کی زندگی کے مختلف پہلو پر بھی ایک سیمنار ہوگا جس میں انکی زندگی سے وابسطہ کاموں پر مقالات پڑھے جائینگے۔ اسکے علاوہ ایوارڈ حاصل کرنے والے لوگوں سے ایک ملاقات آمنے سامنے بھی ہوسکے گی تاکہ وہ اپنے خیالات میڈیا کے سامنے رکھ سکے۔ انہوں نے کہا کہ شری لنکا اور مورشش سے بھی قلم کار اور ادیب اس فیسٹول میں حصہ لے رہے ہیں۔